Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
19 March

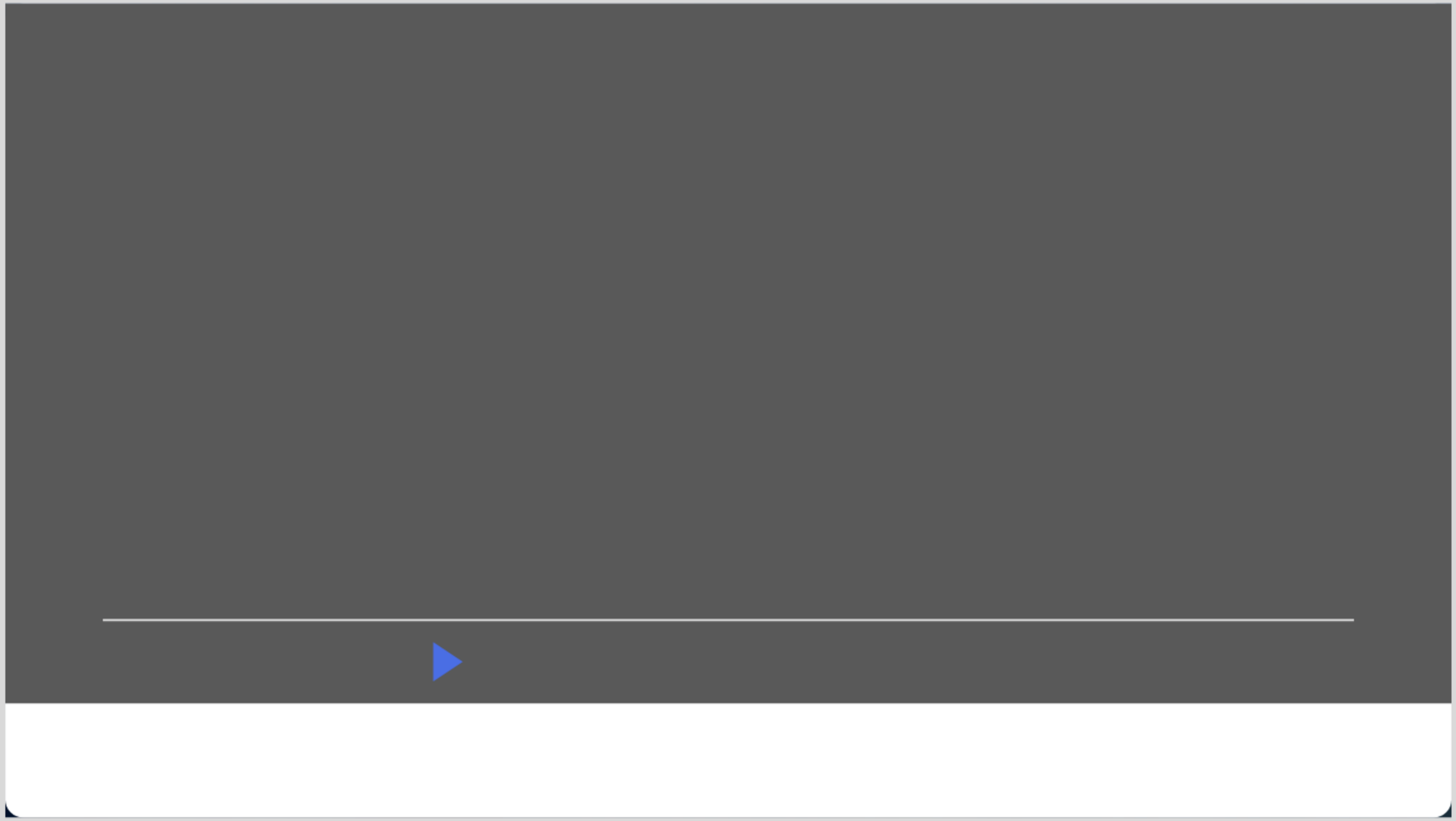

Quote of the Day

Result Mitra

गिर गया तो क्या हुआ
गिरता वही जो चलता है
बस इतना सा करना है कि
उठकर फिरसे चलना है

Result Mitra

भारत में भाषाई धर्मनिरपेक्षता

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

संदर्भ

- हाल ही में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) को लेकर भाषा से जुड़ी बहस तेज़ हो गई है।
- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है।

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

संदर्भ

- सर्वोच्च न्यायालय ने 2014 में अपने एक फैसले में 'भाषाई धर्मनिरपेक्षता' की अवधारणा को समर्थन दिया था, जिसमें विभिन्न भाषाओं को बोलने वालों की मान्य आकांक्षाओं को मान्यता दी गई थी।

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

भाषाई धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा

- परिभाषा: यह सिद्धांत सुनिश्चित करता है कि कोई भी भाषा अन्य भाषा से श्रेष्ठ नहीं मानी जाएगी और सभी भाषा-भाषियों को समान अधिकार प्राप्त होंगे।
- धर्मनिरपेक्षता का विस्तार: जैसे धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण से है, वैसे ही भाषाई धर्मनिरपेक्षता भाषाओं के बीच समानता को बढ़ावा देती है।

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

भारत की भाषाई विविधता:

- भारत एक बहुभाषी देश है, जहां अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं।
- भाषाई धर्मनिरपेक्षता इस विविधता की रक्षा करने में सहायक है।

राज्यों का भाषाई आधार पर गठन:

- भारत में राज्यों का पुनर्गठन भाषाई आधार पर किया गया, जिससे भाषाई पहचान को संरक्षित करने में सहायता मिली।

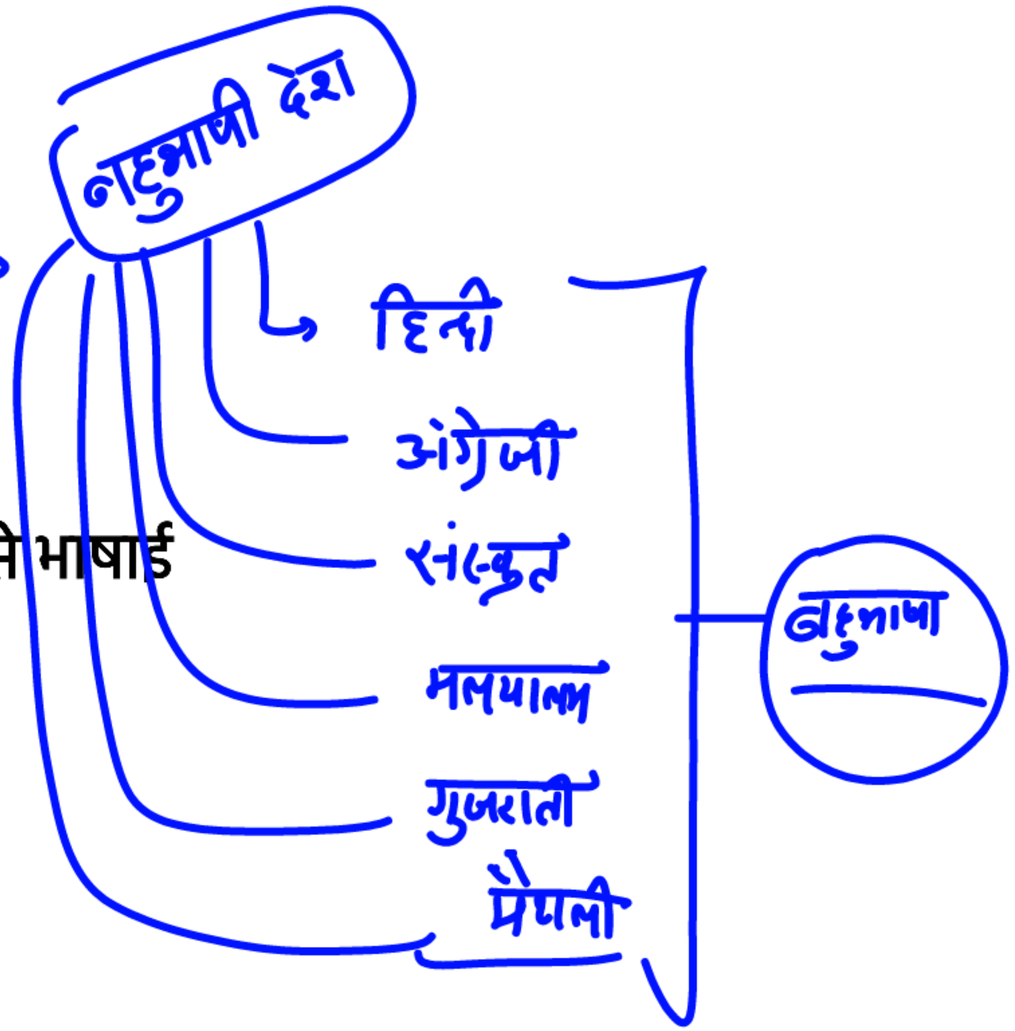

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

संवैधानिक प्रावधान

प्रस्तावना:

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द शामिल है, जो सभी भाषाओं के प्रति निष्पक्ष दृष्टिकोण को भी परिलक्षित करता है।

भाषा संबंधी संवैधानिक अनुच्छेद:

- 8वीं अनुसूची: इसमें 22 भाषाओं को आधिकारिक मान्यता प्राप्त है।

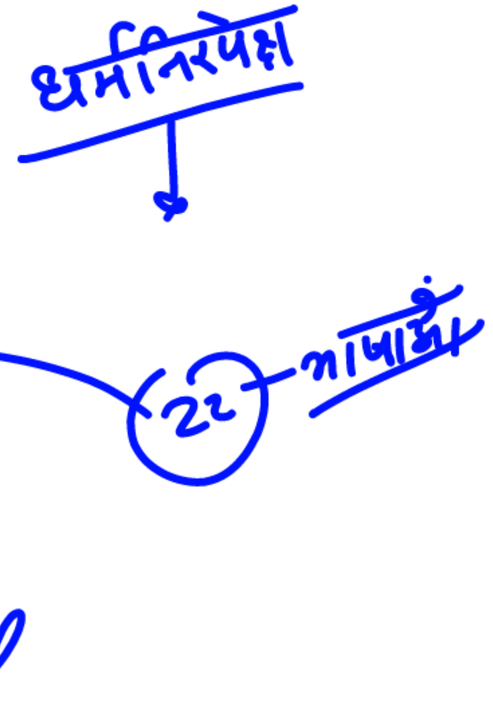

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 29(1):

- प्रत्येक समुदाय को अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार प्रदान करता है।
- सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, यह अधिकार बहुसंख्यकों और अल्पसंख्यकों दोनों पर लागू होता है।

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

संवैधानिक प्रावधान

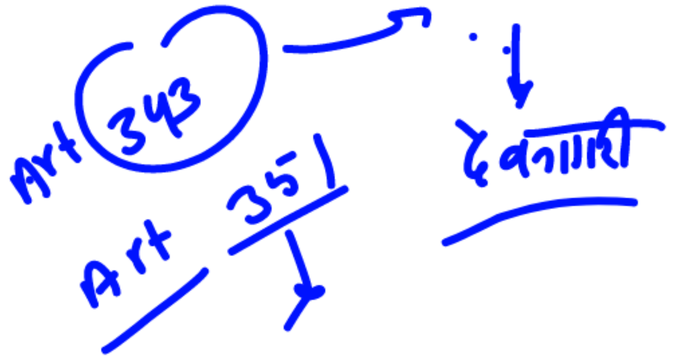

अनुच्छेद 343:

- मुंशी-अयंगर फार्मूले के तहत हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की आधिकारिक भाषा घोषित किया गया।

अनुच्छेद 351:

- हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार को कर्तव्य सौंपा गया।

हिन्दी भाषा के प्यार प्रसार को बढ़ाने के लिए

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

संवैधानिक प्रावधान

न्यायालय का मत:

- इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अनुसार, किसी नागरिक को किसी विशिष्ट भाषा में शिक्षा ग्रहण करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसले

यू.पी. हिंदी साहित्य सम्मेलन बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2014):

- भारतीय भाषाओं की संवैधानिक स्थिति को समायोजनकारी दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, न कि कठोर नियमों के रूप में।
- न्यायालय ने भाषाई धर्मनिरपेक्षता को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप माना।

सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसले

कर्नाटक राज्य बनाम एसोसिएटेड मैनेजमेंट ऑफ प्राइमरी एंड सेकेंडरी स्कूल्स (1996):

- अनुच्छेद 19 के तहत भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में प्राथमिक शिक्षा की भाषा चुनने की स्वतंत्रता भी शामिल है।
- राज्य सरकारें इस स्वतंत्रता पर प्रतिबंध नहीं लगा सकतीं।

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

Result Mitra
RESULT MITRA

सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसले

कर्नाटक राज्य बनाम एसोसिएटेड मैनेजमेंट ऑफ प्राइमरी एंड सेकेंडरी स्कूल्स (1996):

- इस निर्णय में अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के 1924 के 'पियर्स बनाम सोसाइटी ऑफ सिस्टर्स ऑफ होली नेम्स' मामले से प्रेरणा ली गई थी, जिसमें कहा गया था कि "बच्चा केवल राज्य की संपत्ति नहीं है; उसके माता-पिता को उसे शिक्षित करने और मार्गदर्शन देने का अधिकार है।"

विधि आयोग की संस्तुतियाँ

- भाषा एक अत्यंत भावनात्मक विषय है।
- यह राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का साधन हो सकती है, परंतु किसी पर कोई भाषा थोपने से विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

विधि आयोग की संस्तुतियाँ

- भारतीय विधि आयोग की 216वीं रिपोर्ट में 'भारत के सर्वोच्च न्यायालय में हिंदी को अनिवार्य भाषा के रूप में लागू करने की व्यावहारिकता' पर विचार किया गया।
- तत्कालीन अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.आर. लक्ष्मणन ने कानून मंत्री को लिखे पत्र में आगाह किया कि:

भारत में भाषाई धर्म निरपेक्षता

निष्कर्ष

- भारत की भाषाई विविधता इसकी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है।
- भाषाई धर्मनिरपेक्षता न केवल भाषाई अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी मजबूत बनाती है।
- नीति-निर्माताओं को भाषा संबंधी विवादों के समाधान में समावेशी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए ताकि सभी समुदायों की भाषाई पहचान सुरक्षित रह सके।

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत हिंदी को भारत की एकमात्र आधिकारिक भाषा घोषित किया गया है।

2. अनुच्छेद 29(1) सभी नागरिकों को अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार प्रदान करता है।

3. सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक निर्णय में भाषाई धर्मनिरपेक्षता को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप माना है।

उपयुक्त विकल्प चुनें:

A) केवल 1 और 2 सही हैं

B) केवल 2 और 3 सही हैं

C) केवल 1 और 3 सही हैं

D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

Result Mitra

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

- दिल्ली सरकार 18 मार्च 2025 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करेगी, जिसके तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM) को लागू किया जाएगा।

MoU

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

- इस योजना के माध्यम से दिल्ली में 1,139 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (U-AAM) स्थापित किए जाएंगे, जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त किया जाएगा। यह पहल भविष्य में महामारी और अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने में भी मदद करेगी।

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

इसके अतिरिक्त:

- 553 मौजूदा मोहल्ला क्लीनिकों को अपग्रेड कर U-AAM में परिवर्तित किया जाएगा।
- 413 नए U-AAM खोले जाएंगे।
- यह निर्णय लंबे समय तक चले कानूनी विवाद और दिल्ली के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद आया है।

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

PM-ABHIM योजना: प्रमुख बिंदु

- उद्देश्य: सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करना।

फोकस क्षेत्र:

- भविष्य में महामारी और स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने की तैयारी।
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना।

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

PM-ABHIM योजना: प्रमुख बिंदु

दिल्ली में कार्यान्वयन:

आरोग्य मंदिर

- 1,139 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (U-AAM) स्थापित किए जाएंगे।
- 553 मौजूदा मोहल्ला क्लीनिकों को अपग्रेड कर U-AAM में बदला जाएगा।
- 413 नए U-AAM खोले जाएंगे।

पायलट प्रोजेक्ट: पहले यह योजना इंदिरा गांधी अस्पताल में डायग्नोस्टिक लैब्स तक सीमित थी।

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

राजनीतिक और कानूनी घटनाक्रम

- पहले विरोध: दिल्ली की आप सरकार ने इस योजना को लागू करने से इनकार किया था।

न्यायालय का आदेश:

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने 5 जनवरी 2025 तक इस समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया, हालांकि उस समय आचार संहिता लागू थी।
- 17 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के आदेश पर स्थगनादेश (स्टे) लगा दिया।

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

राजनीतिक और कानूनी घटनाक्रम

नया निर्णय:

- फरवरी 2025 में नई भाजपा सरकार ने इस योजना को लागू करने का निर्णय लिया।
- 18 मार्च 2025 को दिल्ली सरकार औपचारिक रूप से MoU पर हस्ताक्षर करेगी।

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

योजना का सारांश	
विवरण	**जानकारी**
समाचार में क्यों?	➢ दिल्ली सरकार 18 मार्च 2025 को PM-ABHIM लागू करने के लिए केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करेगी।
योजना का नाम	➢ प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM)
उद्देश्य	➢ सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करना और भविष्य की महामारियों का सामना करना

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

योजना का सारांश	
विवरण	जानकारी
क्रियान्वयन प्राधिकरण	दिल्ली सरकार एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
कुल U-AAM केंद्र	1,139
अपग्रेड किए जाने वाले मौजूदा क्लीनिक	553
नए U-AAM खोले जाएंगे	413
MoU हस्ताक्षर तिथि	18 मार्च 2025

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान योजना

योजना का सारांश	
विवरण	**जानकारी**
कानूनी स्थिति	➢ पहले आप सरकार ने विरोध किया, बाद में भाजपा सरकार ने स्वीकृति दी
पायलट कार्यान्वयन	➢ इंदिरा गांधी अस्पताल में डायग्नोस्टिक लैब्स

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM) को शुरू से ही समर्थन दिया था।

2. इस योजना के तहत दिल्ली में 1,139 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (U-AAM) स्थापित किए जाएंगे।

3. फरवरी 2025 में नई सरकार बनने के बाद दिल्ली में इस योजना को लागू करने का निर्णय लिया गया।

सही उत्तर का चयन करें:

A) केवल 1 और 2 सही हैं

B) केवल 2 और 3 सही हैं

C) केवल 1 और 3 सही हैं

D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

- देश में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, फिट इंडिया कार्निवल – एक अनूठा तीन दिवसीय फिटनेस और वेलनेस कार्यक्रम – का शुभारंभ केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 16 मार्च 2025 को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (JLN) में किया।

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

यह आयोजन नागरिकों को शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण के प्रति प्रेरित करने के लिए आयोजित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें शामिल हैं:

- आयुष्मान खुराना – फिट इंडिया आइकॉन
- संग्राम सिंह – कुश्ती चैम्पियन
- मिकी मेहता – वेलनेस विशेषज्ञ
- शैंकी सिंह – पूर्व WWE पहलवान
- रोहताश चौधरी – गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

प्रमुख विशेषताएँ

- उद्घाटनकर्ता: डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री
- स्थान: जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली
- तारीख: 16-18 मार्च 2025 (तीन दिवसीय आयोजन)

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

प्रतिष्ठित प्रतिभागी

- आयुष्मान खुराना – फिटनेस प्रेरक
- संग्राम सिंह – अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी
- मिकी मेहता – प्रसिद्ध स्वास्थ्य और वेलनेस विशेषज्ञ
- शैंकी सिंह – पूर्व WWE पहलवान
- रोहताश चौधरी – गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

मुख्य गतिविधियाँ और प्रदर्शन

- मार्शल आर्ट प्रदर्शन – कलारीपयट्टु, गतका, मल्लखंब

फिटनेस चुनौतियाँ –

- रस्सी कूद
- आर्म रेसलिंग
- पुश-अप प्रतियोगिता
- स्क्वाट चैलेंज
- क्रिकेट बॉलिंग स्पर्धा

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

मुख्य गतिविधियाँ और प्रदर्शन

- नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच – भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (NCSSR) द्वारा पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य परामर्श
- पुस्तक विमोचन – "साइक्लिंग के लाभ" पुस्तक का लोकार्पण (NCSSR द्वारा)
- 'फिटनेस थ्रू डांस' – मनोरंजन के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम
- फिटनेस आइकॉन के साथ संवाद सत्र

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

सरकार की पहल और दृष्टिकोण

डॉ. मनसुख मांडविया की दृष्टि

- खेल और फिटनेस को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना
- 'संडे ऑन साइकिल' जैसी पहलों का विस्तार कर फिट इंडिया कार्निवल को अन्य शहरों में ले जाना

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

सरकार की पहल और दृष्टिकोण

आयुष्मान खुराना का संदेश

- "एक स्वस्थ नागरिक ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डॉ. मनसुख मांडविया का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने भारत को अधिक फिट बनाने के इस अभियान का नेतृत्व किया।"

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

सरकार की पहल और दृष्टिकोण

समापन समारोह

- समापन के अवसर पर, डॉ. मनसुख मांडविया ने वेलनेस स्टॉल्स का दौरा किया और नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

कार्यक्रम का सारांश	
विवरण	**जानकारी**
समाचार में क्यों?	➢ डॉ. मनसुख मांडविया ने पहले फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन किया
कार्यक्रम का नाम	➢ फिट इंडिया कार्निवल
उद्घाटनकर्ता	➢ डॉ. मनसुख मांडविया (केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री)
स्थान	➢ जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

कार्यक्रम का सारांश	
विवरण	**जानकारी**
प्रसिद्ध प्रतिभागी	➢ आयुष्मान खुराना, संग्राम सिंह, मिकी मेहता, शैंकी सिंह, रोहताश चौधरी
प्रमुख प्रदर्शन	➢ कलारीपयट्टु, गतका, मल्लखंब, 'फिटनेस थ्रू डांस'
फिटनेस चुनौतियाँ	➢ रस्सी कूद, आर्म रेसलिंग, पुश-अप, स्क्वाट, क्रिकेट बॉलिंग
विशेष लॉन्च	➢ पुस्तक: "साइक्लिंग के लाभ"

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन

कार्यक्रम का सारांश	
विवरण	जानकारी
स्वास्थ्य सेवाएँ	➢ भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के NCSSR द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच (पोषण एवं मानसिक परामर्श)
उद्देश्य	➢ फिटनेस संस्कृति और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. फिट इंडिया कार्निवल 2025 का उद्घाटन केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया।

2. इस आयोजन में मार्शल आर्ट्स और फिटनेस चुनौतियों का प्रदर्शन किया गया।

3. यह कार्यक्रम पहली बार मुंबई में आयोजित किया गया था।

सही उत्तर का चयन करें:

A) केवल 1 और 2 सही हैं

B) केवल 2 और 3 सही हैं

C) केवल 1 और 3 सही हैं

D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

Result Mitra

तीर्थयात्रा और पर्यावरण: तीर्थस्थल में चुनौतियाँ

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 3

तीर्थयात्रा और पर्यावरण: तीर्थस्थल में चुनौतियाँ

परिचय

- भारत में तीर्थयात्रा धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। श्रद्धालु लाखों की संख्या में विभिन्न तीर्थस्थलों की यात्रा करते हैं, जिससे सामाजिक और आर्थिक लाभ तो होते हैं, लेकिन पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है।
- तीर्थस्थलों में अत्यधिक भीड़, अपशिष्ट प्रबंधन की समस्याएँ, वन्यजीवों के लिए खतरा और जल स्रोतों का प्रदूषण प्रमुख चुनौतियाँ हैं।

तीर्थयात्रा और पर्यावरण: तीर्थस्थल में चुनौतियाँ

तीर्थस्थलों से जुड़े प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे

1. जनसंख्या भार और संसाधनों पर दबाव

- तीर्थयात्रा के दौरान भारी भीड़ के कारण स्थानीय जल स्रोतों, भोजन, परिवहन और स्वच्छता सेवाओं पर अत्यधिक दबाव पड़ता है।
- अमरनाथ, केदारनाथ और वैष्णो देवी जैसे तीर्थस्थलों पर अत्यधिक मानव गतिविधियाँ वहाँ की पारिस्थितिकी को नुकसान पहुँचाती हैं।

तीर्थस्थलों से जुड़े प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे

2. कचरा और प्लास्टिक प्रदूषण

- यात्रा के दौरान बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, फूलों के अवशेष, भोजन के पैकेट और अन्य ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है।
- कई तीर्थस्थलों पर कचरे के उचित निपटान की सुविधा नहीं होती, जिससे नदियों और झीलों में गंदगी फैलती है।

तीर्थस्थलों से जुड़े प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे

3. जल स्रोतों का प्रदूषण

- गंगा, यमुना, गोदावरी और अन्य नदियों में तीर्थयात्रियों द्वारा स्नान, पूजा सामग्री विसर्जन और साबुन-शैम्पू का उपयोग जल की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।
- अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमालयी ग्लेशियरों पर दबाव बढ़ता है, जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या गहराती है।

तीर्थस्थलों से जुड़े प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे

4. वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव

- जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित तीर्थस्थलों (जैसे बद्रीनाथ, केदारनाथ) पर बढ़ती मानवीय गतिविधियाँ वहाँ के वन्यजीवों और जैव विविधता के लिए खतरा बन रही हैं।
- ध्वनि प्रदूषण और रोशनी के बढ़ते स्तर से स्थानीय जीव-जंतुओं की जीवनशैली प्रभावित होती है।

तीर्थस्थलों से जुड़े प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे

5. कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण

- तीर्थयात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु सड़क, रेल और वायु मार्ग से यात्रा करते हैं, जिससे बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन होता है।
- वाहनों की बढ़ती संख्या से वायु प्रदूषण में वृद्धि होती है, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में जहाँ हवा की गुणवत्ता पहले से ही संवेदनशील है।

तीर्थयात्रा और पर्यावरण: तीर्थस्थल में चुनौतियाँ

पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए संभावित समाधान

हरित तीर्थयात्रा को बढ़ावा देना

- सरकार और धार्मिक संस्थाओं को मिलकर इको-फ्रेंडली तीर्थयात्रा को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- सौर ऊर्जा, बायोडिग्रेडेबल सामग्री और हरित परिवहन का उपयोग किया जाए।

तीर्थयात्रा और पर्यावरण: तीर्थस्थल में चुनौतियाँ

पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए संभावित समाधान

कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था

- तीर्थस्थलों पर कचरा पृथक्करण (waste segregation) और पुनर्चक्रण (recycling) की बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए।
- प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया जाए और यात्री इको-फ्रेंडली बैग और बर्तनों का उपयोग करें।

मशीन

पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए संभावित समाधान

स्थानीय समुदायों की भागीदारी

- तीर्थयात्रा स्थलों पर रहने वाले लोगों को सतत विकास के लिए जागरूक किया जाए।
- उन्हें अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण में सक्रिय भूमिका दी जाए।

पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए संभावित समाधान

वाहन प्रदूषण को नियंत्रित करना

- तीर्थस्थलों के पास इलेक्ट्रिक वाहन, सार्वजनिक परिवहन और साइकिल सेवाओं को बढ़ावा दिया जाए।
- कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए पेड़ लगाने और हरित क्षेत्र विकसित करने पर जोर दिया जाए।

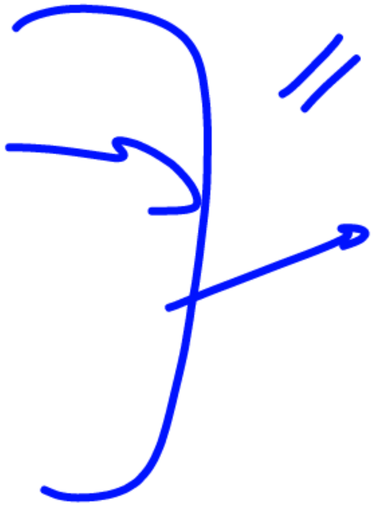

पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए संभावित समाधान

नदियों और जल स्रोतों की सुरक्षा

- धार्मिक आयोजनों के दौरान नदियों में कचरा और रसायनों के विसर्जन पर रोक लगाई जाए।
- तीर्थयात्रियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए और सस्टेनेबल टूरिज्म अपनाने पर जोर दिया जाए।

तीर्थयात्रा और पर्यावरण: तीर्थस्थल में चुनौतियाँ

निष्कर्ष

- तीर्थयात्रा और पर्यावरण का गहरा संबंध है। यदि उचित कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में तीर्थस्थल प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता के नुकसान से जूझ सकते हैं।
- इसके लिए हरित नीतियों, जागरूकता अभियान और तकनीकी उपायों को अपनाकर संतुलन बनाना आवश्यक है। धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को साथ लेकर ही हम एक स्थायी भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

Result Mitra

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. तीर्थस्थलों पर अत्यधिक भीड़ और मानवीय गतिविधियाँ स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करती हैं।

2. तीर्थयात्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक और अन्य ठोस अपशिष्ट जल स्रोतों को प्रदूषित नहीं करते हैं।

3. हिमालयी तीर्थस्थलों पर बढ़ते मानव दबाव से ग्लेशियरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उचित उत्तर का चयन करें:

A) केवल 1 और 3 सही हैं

B) केवल 2 और 3 सही हैं

C) केवल 1 और 2 सही हैं

D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

Result Mitra

पीएम मोदी और न्यूजीलैंड के पीएम की गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब की यात्रा

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब का दौरा

- न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब का दौरा किया।
- दोनों नेताओं ने गुरुद्वारे में मत्था टेका और सिख समुदाय की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सम्मान दिया।
- यह गुरुद्वारा सिख धर्म के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है।

भारत-न्यूज़ीलैंड संबंधों पर चर्चा

- पीएम मोदी ने दिल्ली में न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री का स्वागत किया।
- इस अवसर पर, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा –
  - "प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का दिल्ली में स्वागत करना हर्ष का विषय है। यह और भी खास है कि वे इस साल के रायसीना डायलॉग के मुख्य अतिथि होंगे।"
- दोनों नेताओं ने भारत-न्यूज़ीलैंड मैत्री से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया।

रक्षा, व्यापार और अन्य क्षेत्रों में सहयोग

पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि –

- रक्षा और सुरक्षा साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति बनी।
- व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।
- डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा और बागवानी सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएँ तलाशी गईं।

प्रधानमंत्री लक्सन की भारत यात्रा के मुख्य बिंदु

- आधिकारिक यात्रा: प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की पांच दिवसीय यात्रा 20 मार्च तक चलेगी।

यात्रा का उद्देश्य:

- भारत-न्यूजीलैंड के दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करना।
- विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना।
- दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को पुष्टि करना।

प्रधानमंत्री लक्सन की भारत यात्रा के मुख्य बिंदु

यात्रा का उद्देश्य:

- निमंत्रण: यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के आधिकारिक निमंत्रण पर आयोजित हो रही है।
- महत्वपूर्ण बैठकें: इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर विस्तृत बातचीत होगी।

निष्कर्ष

- प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की यह यात्रा भारत-न्यूज़ीलैंड संबंधों को एक नई ऊँचाई पर ले जाने का अवसर प्रदान कर रही है। रक्षा, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे विषयों पर हुई चर्चा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: हाल ही में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब का दौरा किया। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब सिख इतिहास में एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है।
2. यह गुरुद्वारा गुरु गोबिंद सिंह की स्मृति में बनाया गया था।
3. इस यात्रा के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) 1, 2 और 3

Thank You

Result Mitra™